

पीड़ित लोगों को मदद का विश्वास दिलाने का काम करे रेडक्रास संस्था - राज्यपाल

लखनऊ: 8 मई, 2016

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज 'विश्व रेडक्रास दिवस' के अवसर पर रेडक्रास भवन कैसरबाग में आयोजित कार्यक्रम में प्रबंध समिति सीतापुर शाखा के श्री संजीव मल्होत्रा एवं देवरिया जिला शाखा के सचिव श्री अखिलेन्द्र शाही को उत्कृष्ट सेवा प्रदान करने के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। राज्यपाल द्वारा कार्यक्रम में जूनियर रेडक्रास स्कूल एवं कालेज के पेन्टिंग, कोलाज एवं स्लोगन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार एवं स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम में पूर्व महापौर पद्मश्री डा० एस0सी0 राय, संस्था के उपसभापति श्री सुरेश श्रीवास्तव पूर्व विधायक, महासचिव डा० श्याम स्वरूप सहित अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे।

राज्यपाल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस कार्यक्रम में राज्यपाल की हैसियत से नहीं बल्कि प्रदेश रेडक्रास के अध्यक्ष की भूमिका में आये हैं। रेडक्रास में बच्चों को सहभागी बनाये ताकि घर-घर तक संदेश जाये। रेडक्रास का कार्य द्वीप स्तम्भ जैसा है, जो सराहनीय है। उन्होंने रेडक्रास की थीम 'एवरी वेयर एवरी वन' की प्रशंसा करते हुए कहा कि रेडक्रास कठिनाई में मदद करने का भाव निर्माण करता है। थीम को पूरे साल आम लोगों तक पहुँचाने का संकल्प करें। उन्होंने कहा कि रेडक्रास संस्था पीड़ित लोगों को मदद का विश्वास दिलाने का काम करे।

श्री नाईक ने कहा कि रेडक्रास भवन के जीर्णोद्धार के लिए रुपये 45 लाख स्वीकृत किये गये हैं। टाईम ओवर रन और कास्ट ओवर रन का ध्यान रखते हुए समय से काम पूरा हो ताकि अगले वर्ष का कार्यक्रम इसी भवन में आयोजित किया जा सके। उन्होंने उच्च न्यायालय की बिल्डिंग की तारीफ करते हुए कहा कि इलाहाबाद उच्च न्यायालय लखनऊ पीठ की नयी बिल्डिंग बहुत शानदार बनी है। दुनिया में कहीं भी इतना सुंदर न्यायालय परिसर नहीं है। उन्होंने कहा कि समय के भीतर काम पूरा होता तो लागत में 680 करोड़ रुपये ज्यादा न लगते।

राज्यपाल ने कहा कि यह सुखद संयोग है कि आज 'विश्व रेडक्रास दिवस' है और आज ही 'मदर्स डे' एवं राष्ट्रगान के रचियता रवीन्द्र नाथ टैगोर का जन्म दिवस भी है। राज्यपाल ने बच्चों द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी का अवलोकन किया तथा रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं से भी भेंट की।

कार्यक्रम में संस्था के महासचिव डा० श्याम स्वरूप ने स्वागत उद्बोधन दिया तथा श्री सुरेश श्रीवास्तव एवं डा० एस0सी0 राय ने भी अपने विचार रखे।

अंजुम/ललित/राजभवन (174/9)



